बौद्ध अध्ययन केंद्र बनेगा धम्म की बौद्धिक समृद्धि का केंद्र

हिंदी विवि में प्रो.डॉ. भिक्षु सत्यपाल जी का उदबोधन

वर्धा, 13 अप्रैल, 2011; महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के डॉ. भदन्त आनन्द कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान समारोह में दिल्ली विश्वविद्यालय के पालि बौद्ध अध्ययन के विभागाध्यक्ष प्रो.डॉ.सत्यपाल ने कहा कि डॉ.भदन्त आनन्द कौसल्यायन बौद्ध धम्म के अग्रदूत हैं। मैं पहली बार वर्धा की इस क्रांति नगरी में आकर बहुत ही खुशी का अनुभव कर रहा हूं। यह वही भूमि है जहां भदन्त आनन्द कौसल्यायन जी राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा में 1942-1951 ई. तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत रहे।उसी भूमि में उनके नाम पर बौद्ध अध्ययन केंद्र बनाया गया, इससे बढकर खुशी की बात और क्या हो सकती है। यह केंद्र धम्म की बौद्धिक समृद्धि का केंद्र बनेगा। उन्होंने आशा जतायी कि यह केंद्र बौद्ध अध्ययन के विषय में शोधार्थियों को बौद्ध धम्म के प्रचार-प्रसार करने हेतु प्रेरित करेगा। इस केंद्र को आगे बढाने में मैं व्यक्तिगत रूप से तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के पालि बौद्ध अध्ययन विभाग से पूरा-पूरा सहयोग देने का वचन देता हूं। अम्म महापंडित तथा चतुर्थ संघराज अखिल भारतीय भिक्खू महासंघ, भारत की विशेष उपाधि से सम्मानित प्रो.डॉ.भिक्षु सत्यपाल ने कहा कि शिष्य डॉ.सुरजीत कुमार सिंह, (जो कि इस केंद्र में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं) के आग्रह पर आया हूं। भदन्त आनंद कौसल्यायन जी के साथ बिताये पलों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे उनके साथ रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, यह मेरे लिए खुशी की बात है। बौद्ध धम्म के प्रज्ञा, शील, करूणा, ज्ञान, शांति, मैत्री से विश्व के प्रत्येक मनुष्य का समग्र विकास होगा।कार्यक्रम की शुरूआत में डॉ. भदन्त आनन्द कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र के कार्यकारी निदेशक डॉ.एम.एल.कासारे ने प्रो.डॉ.भिक्षु सत्यपालजी का स्वागत पुष्प गुच्छ प्रदान कर किया। केंद्र के सहायक प्रोफेसर डॉ.सुरजीत कुमार सिंह ने समारोह का संचालन किया तथा सहायक प्रोफेसर रविशंकर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के व्यवस्था रिसर्च एसोसिएट द्वय ज्योतिष पायेन, लक्ष्मण प्रसाद, डॉ.भिक्षु नंदनवर्धन बोधि, डॉ.मेत्तानन्द, शत्रुघ्न मून, हाडके गुरूजी, रामभाठ उमरे, शुभांगी शंभरकर, शुद्धमति धुर्वे, सुषमा पाखरे, नंदा कदम तथा विद्यार्थियों ने परिश्रम किया। फोटो कैप्शन-उदबोधन देते हुए प्रो.डॉ.भिक्षु सत्यपाल जी व मंच पर डॉ.एम.एल.कासारे।

- अमित कुमार विश्वास